>

Title: Need to employ trained workers at stone quarries of Mahoba, Uttar Pradesh and provide adequate social security and medical facilities to the workers - Laid.

**श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ0प्र0) :** महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र महोबा, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत कबरई नगर में खनन कार्यों में लगे हुए हजारों मजदूरों से पहाड़ के पट्टाधारक घातक पदार्थों से पहाड़ों की खानों में विस्फोट कराते हैं, जबकि ऐसे मजदूरों को विस्फोट करने के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। इन्हीं कारणों से सैंकड़ों मजदूरों, जानवरों की जानें जा चुकी हैं। पहाड़ों में विस्फोट करते समय ऐसे घायलों, अपंगों एवं मृतक मजदूरों को मुआवजा भी प्रदान नहीं किया जाता जिससे मजदूरों में रोष व्याप्त है। अन्य कोई रोजगार न होने के कारण मजबूरी में लोग अपनी जान को जोखिम में डालकर जीविकोपार्जन कर रहे हैं। मानक के अनुसार कप्रेशर द्वारा होल करके विस्फोटकों का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है जिससे ब्लास्टिंग होने के बाद बडे-बडे पत्थर दूर दूर तक जाकर गिरते हैं। खेतों में खड़ी फसलें नÂष्ट हो रही हैं तथा जन हानि हो रही है। आसपास कोई भी ई.एस.आई डिस्पेंसरी/अस्पताल उपलब्ध नहीं है। मजदूरों को कोई चिकित्सीय सहायता एवं सुरक्षा उपलब्ध नहीं करायी गयी है।

सागर-कानपुर राÂष्ट्रीय राजमार्ग पर महोबा-कबरई के आसपास सड़क किनारे लगे क्रेशरों द्वारा जो अत्यधिक धूल उड़ाइ जा रही है उससे सड़क में वाहन चलाते समय धूल के कारण कुछ भी दिखाई नहीं देता, जिससे आये दिन सडक दुर्घटनाएं हो रही हैं साथ ही लोगों में टीबी की शिकायतें भी बढ़ रही हैं।

अतः सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि ऐसे पहाड़ों एवं क्रेशरों पर अविलम्ब खनन कार्य एवं पत्थरों की पिसाई पर रोक लगायी जाये जो मानक के अनुसार कार्य नहीं कर रहे हैं। साथ ही विस्फोटकों का इस्तेमाल प्रशिक्षित मजदूरों द्वारा सुनिश्चित कराया जाये। श्रमिकों को उचित सुरक्षा एवं चिकित्सीय सहायता सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए जायें।